

राग - यमन

जाति - सम्पूर्ण | विशेष स्वर - तीव्र मध्यम।
 थाट - कल्याण | समय - रात्रि प्रथम प्रहर।
 वादी - ग, संवादी - नि | वर्जित - शुद्ध म - मध्यम

आरोह → नि रे ग म प ध नि सां ।
 अवरोह → सां नि ध प म ग रे सा ।

स्थायी-बन्दिश

| | | | |
|------------|---------------|-------------|-----------------|
| सा प म प | ग म ध नि | प रे ग म | निध प म ग रे सा |
| गु रु बि न | कँ ङ से ङ | गु ण गा ङ | वैऽ ङऽ ङऽ ङऽ |
| नि ध नि रे | ग रे ग - | म रे ग म प | रे - सा - |
| गु रु न मा | ऽ ने तो ऽ | गु ण नूऽ ही | आ ऽ वे ऽ |
| म ग म ध | मं ध नि ध प प | म प ग म | निध प म ग रे सा |
| गु णि य न | मैऽ ङऽ अव | गु णि ऽ क | हाऽ ङऽ वैऽ ङऽ |

अन्तरा

| | | | |
|---------------|----------------|----------------------|-----------------|
| प प म ग | म ध म ध | ध नि सां सां सां | नि रें सां सां |
| मा ऽ ने ऽ | तो ऽ ऽ रि | भाऽ ऽ वै ऽ | स ब को ऽ |
| नि रें गं रें | नि रें सां सां | नि ध नि सां | निध निध प प |
| श र ण ग | है ऽ सा ऽ | धौ ऽ गु रु | कीऽ ङऽ ढ ब |
| प रे ग रे | नि रे सा सा | नि रे ग म प ध नि सां | निध प म ग रे सा |
| त ब आ ऽ | वै ऽ अ च | पऽ लऽ लऽ ङऽ | ताऽ लऽ सुऽ र |

तानें

1. निरे ग म प ध नि सां निध प म ग रे सा - ।
2. निरे ग ग रे ग म म ग म प म ग रे सा - ।
3. निरे ग म प ध प म ग म प म ग रे सा - ।
4. सा नि रे सा नि ध नि रे ग म प म ग रे सा - ।